Expansion of Durgapur Steel Plant

141. SHRIMATI KANAK MUKHERJEE: Will the Minister of STEEL, MINES AND COAL be pleased to state:

(a) what is the estimated cost of expansion of the public sector steel unit at Durgapur;

(b) what is the total amount of financial assistance given by Government to this unit during 1983-84 and 1984-85; and

(c) what are proposals for financial assistance during 1985-86?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF STEEL (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) There is no proposal to expand the steel plant at Durgapur. However, a scheme for renovation and technological upgradation of the plant has been prepared and is under consideration of Government. Cost estimates and the time frame of implementation will be know after the scheme is approved by Government.

(b) and (c) During 1983-84 and 1984-85 the plant spent Rs. 32.99 crores and Rs. 43 crores (provisional) respectively as plan funds on capital schemes. There is provision of Rs. 62 crores for capital schemes in 1985-86.

इस्पात उत्पादन

142. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **इस्पात, खान और कोयला** मंत्री 26 मार्च, 1985 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 973 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश उच्च स्तर के इस्पात उत्पादन में अभी भी पिछड़ा हुआ है ; और तो और साधारण स्तर के इस्पात उत्पादन में भी गिरावट आई है ; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान इस्पात तथा साधारण लोहे की कीमतों में डेढ़ गुणा से दो गुणा वृद्धि हुई है ;

(ग) सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में इस्पात की किस्म में सुधार करने के लिये विभिन्न कदमों के क्रियान्वयन में कितनी प्रगति हुई है ; और

(घ) टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की प्रगति गति क्या है ?

इस्पात विभाग में राज्य मंत्री (श्री नटवर सिंह) : जी, नहीं। स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड ("सेल") के इस्पात कारखानों में उच्च क्वालिटी के इस्पात (मिश्र/विशेष इस्पात/क्रांतिक मदों) के उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है और आजकल देश में इन मदों की आवश्यकताओं के अधिकांश भाग की पूर्ति देशीय उत्पादन से की जा रही है। वर्ष 1984-85 के दौरान "सेल" के इस्पात कारखानों ('इस्को' भी शामिल है) में विक्रेय इस्पात का कुल उत्पादन वर्ष 1983-84 में हुये उत्पादन की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत अधिक हुआ है और यह योजना बनायी गयी है कि वर्ष 1985-86 में उत्पादन वर्ष 1984-85 के उत्पादन की तुलना में लगभग 13 प्रतिशत अधिक होगा।

(ख) जी, नहीं। मुख्य उत्पादकों की संयुक्त संयंत्र समिति ने वर्ष 1984-85 के दौरान लोहे और इस्पात के उत्पादों के मूल्यों में दो बार वृद्धि की थी। जून 1984 में मूल्यों में पहली बार 15 प्रतिशत वृद्धि की गई, जिस में से केवल 12.5 प्रतिशत मुख्य उत्पादकों को मिली और शेष 2.5 प्रतिशत वृद्धि इंजीनियरी सामान के निर्यात सहायता हेतु निधि पुनः शुरू करने, संयुक्त समिति के शुल्क में वृद्धि करने और इस्पात पर समीकृत रेल भाड़े में समायोजन हेतु थी। संयुक्त संयंत्र समिति द्वारा मूल्यों में दूसरी बार वृद्धि 21 फरवरी, 1985 को की गयी थी जिसके द्वारा इस्पात की मदों के मूल्यों में औसतन 15 प्रतिशत की वृद्धि की गयी थी। उत्पादन की बढ़ी हुई लागत की पूर्ति के लिये मूल्यों में वृद्धि करना जरूरी हो गया था।

(ग) और (घ) : सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों में इस्पात की क्वालिटी में सुधार लाने के लिये विभिन्न उपाय किये जा रहे हैं और योजनाएं चल रही हैं। इन उपायों में कुछ उपाय इस प्रकार हैं:—

1. तप्त धातु की "प्री-ट्रीटमेंट" सुविधा में वृद्धि।
2. विसिलिकायन (डेसिलीकोनीजेशन) और विगंधीकरण के कार्य में सुधार